22

कलीसिया:

इसका भोज

इसे ज़्या कहा जाता है और ज़्यों कहा जाता है

1. **इसे भोज ज़्यों कहा जाता है (1 कुरिन्थियों 11:20, 23)?**
2. **यह किसका भोज है (1 कुरिन्थियों 11:20)?**
3. **पौलुस इसे ज़्या कहता था (1 कुरिन्थियों 10:21)?**
4. **इसे ''सहभागिता'' ज़्यों कहा जाता था (1 कुरिन्थियों 10:16)?**
5. **लूका ने इसे ज़्या कहा (प्रेरितों 20:7)?**
   क. इसे ''यूखरिस्त'' ज़्यों नहीं कहा जाना चाहिए (2 तीमुथियुस 1:13) ?
   ख. इसे ''सेक्रामेंट'' ज़्यों नहीं कहा जाना चाहिए (तीतुस 2:1, 7, 8) ?

यह एक ईश्वरीय संस्थान ज़्यों है

1. **इसकी स्थापना किसने की (मत्ती 26:26-29)?**
2. **पौलुस को इसके बारे में किसने बताया (1 कुरिन्थियों 11:23)?**
3. **यह कहां लिया जाना था (लूका 22:29, 30; 1 कुरिन्थियों 11:18, 22)?**

इसके तत्व

1. **भोज की स्थापना करते हुए यीशु ने किसको आशीष दी (मत्ती 26:26; मरकुस 14:22)?**
   क. रोटी को ''आशीष'' देते हुए उसने ज़्या किया (लूका 22:19; 1 कुरिन्थियों 11:23, 24) ?
   ख. यह किस प्रकार की रोटी थी (1 कुरिन्थियों 5:8) ?
   ग. पौलुस ने इसे ज़्या कहा (1 कुरिन्थियों 11:24) ? यह किस बात का प्रतीक था ?
2. **यीशु ने दूसरे तत्व को किन शब्दों के साथ ठहराया (मत्ती 26:27, 29)?**
   क. ज़्या ''कटोरा'' ''दाख का रस'' था (मत्ती 26:28) ? यह किसका ''कटोरा'' था (1 कुरिन्थियों 10:21) ?

ख. इसलिए यह किसका प्रतीक था (1 कुरिन्थियों 11:25) ?
(1) जब कैथोलिक प्रीस्ट रोटी पर आशीष देता है, तो वह ज़्या ऐलान करता है ?
(2) जब वह कटोरे पर आशीष देता है, तो वह ज़्या ऐलान करता है ?

यह कब लिया जाना चाहिए

1. **पौलुस की सामान्य बात बताएं (1 कुरिन्थियों 11:26)।**
2. **प्रारज़्भिक कलीसिया इसे कब लेती थी (प्रेरितों 2:42)?**
3. **प्रारज़्भिक चेले रोटी तोड़ने के लिए कब इकट्ठे होते थे (प्रेरितों 20:7)?**
4. **इब्रानी मसीहियों की कैसे ताड़ना हुई थी (इब्रानियों 10:24, 25)?**
   क. ज़्या ''सप्ताह का हर पहला दिन'' कहना आवश्यक था ? ज़्या व्यवस्था में ''हर सज़्त को मानना'' कहा गया था (निर्गमन 20:8) ?
   ख. ज़्या किसी यादगारी बात को मानने के लिए कोई निर्धारित समय नहीं है ?
   ग. माह में एक बार, तिमाही या वर्ष में एक बार लेने का अधिकार किसने दिया है ?

इसमें कौन भाग ले सकता है

1. **जब भोज की स्थापना हुई थी, तो इसमें ज़ाग लेने के लिए किसे कहा गया था (मज़ी 26:27)?**
2. **पहली कलीसिया के कितने सदस्य इसमें भाग लेते थे (प्रेरितों 2:41, 42)?**
3. **हर किसी को ज़्या करना चाहिए (1 कुरिन्थियों 11:28)?**
4. **एक देह में कितने लोग थे (1 कुरिन्थियों 10:17; 12:20)?**
   क. ''बन्द सहभागिता'' के बारे में किस आयत में बताया गया है ? ''खुली सहभागिता'' के बारे में कहां ?
   ख. ''खुली'' और ''बन्द'' सहभागिता कैसे बनती है (1 कुरिन्थियों 10:17; 12:20) ?

इसे ज़्यों और कैसे लिया जाना चाहिए

1. **रोटी देने से पहले, यीशु ने ज़्या किया (मज़ी 26:26)? ''धन्यवाद करके'' उसने ज़्या किया (लूका 22:19)? चेलों को कटोरा देने से पहले, उसने ज़्या किया (मज़ी 26:27)?**
2. **सबको इसे किसके स्मरण में खाना और पीना चाहिए (1 कुरिन्थियों 11:24, 25)?**
3. **इसमें भाग लेने वाला, किसके साथ सहभागिता करता है (1 कुरिन्थियों 10:26)?**
4. **इस भोज को लेने वाला किस बात का प्रचार करता है (1 कुरिन्थियों 11:26)?**
5. **भोज में भाग लेने से पहले हर किसी को ज़्या करना चाहिए (1 कुरिन्थियों 11:28)?**
6. **प्रभु के साथ कैसे सहभागिता करनी चाहिए (1 कुरिन्थियों 11:27)?**
   क. भोज लेने के लिए कैसे गंभीरता का पता चलना चाहिए ?
   ख. समझाएं कि भोज लेने के लिए कान, आंखें, हाथ, मुंह, शरीर, समझ और विवेक का शामिल होना कैसे आवश्यक है ?